कोटद्वार, गुरूवार
9 मई 2024
वर्षः 46
अंकः 19 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें रद्द होने पर यात्रियों का हंगामा, विमानन मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

नईदिल्ली, भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस की 80 से ज्यादा उड़ानें अचानक रद्द कर दी गई हैं। इसके पीछे विमानन कंपनी के कर्मचारियों का एक साथ बीमारी के चलते छुट्टियों पर जाना बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एयरलाइंस के 300 से ज्यादा कर्मचारी मंगलवार देर रात बीमारी के चलते छुट्टी पर चले गए हैं और कई कर्मचारियों के मोबाइल भी बंद आ रहे हैं, जिसके चलते यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उड़ानें रद्द होने के बाद दिल्ली, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि समेत कई एयरपोर्ट पर यात्रियों ने हंगामा किया, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट के एक वीडियो में यात्रियों को चालक दल पर चिल्लाते हुए देखा जा सकता है, जिनकी गोवा, गुवाहाटी और श्रीनगर जाने वाली फ्लाइट अचानक रद्द कर दी गई। यात्रियों ने आरोप लगाए कि एयरपोर्ट पर उनके ठहरने का पर्याप्त इंतजाम नहीं किया गया। विवाद बढ़ता देख नागरिक उड्डयन मंत्रालय भी सक्रिय हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मामले पर एयर इंडिया से रिपोर्ट मांगी है ख़बर के मुताबिक, मंत्रालय ने उड़ानें रद्द करने के संबंध में एयर इंडिया एक्सप्रेस से रिपोर्ट मांगी है और उनसे मुद्दों को तुरंत हल करने को कहा है।

सैम पित्रोदा के बयान पर भड़के पीएम मोदी, बोले– देश की चमड़ी का किया अपमान

नईदिल्ली, लोकसभा चुनाव के बीच एक बार फिर कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं. इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रेसिडेंट सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस के लिए जीत की दूरी को और बढ़ाने का काम किया है. दरअसल उनके एक विवादित बयान ने फिर तूल पकड़ लिया है. सैम पित्रोदा के रंगभेद बयान को लेकर सियासत गर्मा गई है. खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सैम पित्रोदा के बयान के बाद तीखी प्रतिक्रिया दी है. पीएम मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सैम पित्रोदा और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया.
पीएम मोदी ने कहा कि सैम पित्रोदा के बयान ने मुझे गुस्से से भर दिया है. शहजादे (राहुल गांधी) के एक अंकल ने विदेश से देशवासियों को गाली दी है. कांग्रेस और उनके नेताओं की मानसिकता यही रही है. उन्होंने कहा कि संविधान सिर पर रखने वाले लोग देश की चमड़ी का अपमान कर रहे हैं. पीएम मोदी ने सैम पित्रोदा से सवालिया लहजे में कहा– क्या जिन लोगों की चमड़ी काली होती है वह सब अफ्रीकी होते हैं. सैम पित्रोदा ने देश के लोगों की चमड़ी के रंग के आधार पर उन्हें गाली दी है. जो बर्दाश्त नही की जाएगी.पीएम मोदी ने कहा कि, शहजादे और उनके करीबी मुझ पर जितनी चाहे टिप्पणी कर लें, लेकिन देशवासियों के लिए एक शब्द भी बर्दाश्त नही किया जाएगा. इस तरह देश के लोगों का अपमान किसी भी कीमत पर सहन नही करेंगे. पीएम मोदी ने कहा चमड़ी का रंग जो भी सभी लोग श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं. शहजाते आपको सैम पित्रोदा के इस बयान पर जवाब देना होगा. सैम पित्रोदा ने अपने पोस्ट में भारत के लोगों को लेकर विवादित बात कह डाली. उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत में रहने वाले लोग चीनी लोगों की तरह दिखते हैं, जबकि साउथ में रहने वाले लोग अफ्रीकी लोगों की तरह दिखते हैं. इसके बाद भी हम सब एक हैं. सैम पित्रोदा के इसी बयान पर बीजेपी हमलावर है. बीजेपी नेताओं ने एक के बाद एक कांग्रेस को घेरने का काम किया. सबसे पहले असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का बयान सामने आया. उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि मैं पूर्वोत्तर में रहता हूं और एक भारतीय दिखता हूं.

उत्तराखण्ड राज्य को मिले 246 नये एमबीबीएस चिकित्सक

देहरादून। निर्वाचन आयोग की अनुमति के उपरांत प्रदेश को 246 नये एमबीबीएस चिकित्सक मिल गये हैं। स्वास्थ्य महानिदेशालय ने मार्च 2024 में पास आउट बॉडधारी चिकित्सकों की सूची सभी नौ पर्वतीय जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को तैनाती के लिए सौंप दी है। .स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को नये चिकित्सकों की तैनाती प्राथमिकता के आधार पर चार धाम यात्रा मार्गों पर पड़ने वाले चिकित्सालयों व पर्वतीय क्षेत्रों के स्वास्थ्य केन्द्रों में करने के निर्देश दिये हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने समाचार एजेंसी आरएनएस को बताया कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार मजबूत करने में जुटी है। इसी कड़ी में बॉड व्यवस्था के अंतर्गत राज्य के विभिन्न राजकीय मेडिकल कॉलेजों से हाल ही में पास आउट 246 चिकित्सकों को विभिन्न जनपदों में तैनाती दे दी गई है। संबंधित मुख्य चिकित्साधिकारी अपने–अपने जनपदों में रिक्तियों के आधार पर बॉडधारी चिकित्सकों को चिकित्सालय आवंटित करेंगे। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने इन नये बॉडधारी चिकित्सकों की तैनाती के लिये निर्वाचन आयोग ने अनुमति मांगी थी, निर्वाचन आयोग की मंजूरी मिलते ही स्वास्थ्य महानिदेशालय ने नये चिकित्सकों की सूची संबंधित जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को सौंप दी है। विभागीय मंत्री ने बताया कि बॉड व्यवस्था के अंतर्गत गढ़वाल मंडल में 161 तथा कुमाऊं मंडल में 85 चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। पौड़ी जनपद में 38, टिहरी 53, चमोली 30, उत्तरकाशी 10, रूद्रप्रयाग 30, पिथौरागढ़ 27, चम्पावत 03, अल्मोड़ा 33 तथा बागेश्वर में 22 चिकित्सक शामिल है। डा. रावत ने विभागीय अधिकारियों को नये एमबीबीएस चिकित्सकों की तैनाती प्राथमिकता के आधार पर चार धाम यात्रा मार्गों एवं प्रदेश के दुर्गम व पर्वतीय क्षेत्रों के चिकित्सालयों में करने के निर्देश दिये हैं।

सीएम ने लापरवाही बरतने पर वन विभाग के 10 कार्मिकों को किया निलंबित

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में वनाग्नि, पेयजल, मानसून सीजन के साथ ही चार धाम की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वनाग्नि को रोकने में लापरवाही बरतने वाले वन विभाग के 10 कार्मिकों को निलंबित किया गया है। अन्य कुछ कार्मिकों पर भी अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

वनाग्नि पर रोक के लिए सचिवों को दी जाएगी जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में वनाग्नि को रोकने के लिए की जा रही कार्यवाही और आगामी मानसून सीजन के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा की। वनाग्नि को रोकने और जन जागरूकता के लिए मुख्यमंत्री फायर लाईन बनाने की कार्यवाही में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये वनाग्नि पर पूर्णतः रोकने के लिए सभी सचिव को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी दी जाय। सभी सचिव संबंधित जनपदों में जाकर वनाग्नि से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करें और वनाग्नि को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठायें। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि पर प्रभावी रोकथाम के लिए जन सहयोग लिया जाए। जंगलों में आग लगाने की घटनाओं में जो भी लिप्त पाये जा रहे हैं, उन पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाय। वनाग्नि को रोकने के लिए रिस्पांस टाईम कम से कम किया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनों से पिरूल एकत्रीकरण के लिए प्रभावी योजना बनाई जाय। पिरूल संग्रहण केन्द्र बनाए जाएं। इसमें सहकारिता विभाग का भी सहयोग लिया जाए। पिरूल एकत्रीकरण के लिए दी जाने वाली धनराशि को बढाई जाय। बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, अरविंद सिंह ह्यांकी, रंजीत सिन्हा, दिलीप जावलकर, विनय शंकर पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, एडीजी ए.पी अंशुमान, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

अफसर मानसून से पूर्व सभी तैयारियां पूरी करें

देहरादून : आगामी मानसून सीजन की तैयारियों के संबंध में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून से पहले नालियों की सफाई, ड्रेजिंग और चैनलाईजेशन की कार्यवाही पूर्ण की जाय। नदी किनारे सुरक्षा दीवारों के निर्माण और मरम्मत के कार्य समय पर पूर्ण किये जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी पुराने ब्रिजों का सेफ्टी ऑडिट किया जाए। वर्षाकाल के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्रों में वैली ब्रिज की पूर्ण व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी डैम की गहराई और क्षेत्रफल की वर्तमान स्थिति जानने के लिए संबंधित विभागों की एक कोर्डिनेशन कमेटी बनाई जाए। यह भी आंकलन किया जाए कि डैम के बनने से वर्तमान समय तक डैम की गहराई और क्षेत्रफल की स्थिति क्या है।

अफसर प्रो-एक्टिव एप्रोच से काम करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून सीजन शुरू होने से पहले डेंगू, मलेरिया और अन्य जल जनित रोगों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता के साथ ही पूरी तैयारी की जाए।\

स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाय। आपदा के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग की रैपिड एक्शन टीम तैयार रखी जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ कार्य करें। पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। स्वच्छ पेयजल के लिए पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्थाएं रखी जाय। जहां पेयजल की समस्या है वहाँ टैंकर और खच्चर से पीने के पानी की आपूर्ति की जाये । इसके लिए सभी कार्यदायी संस्थाएं समन्वय के साथ कार्य करें।

सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राज्य में चारधाम यात्रा के दृष्टिगत भी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रखी जाए। यह सुनिश्चित किया जाय कि मौसम की जानकारी से संबंधित अलर्ट एसएमएस के माध्यम से लोगों को मिले। चारधाम और मौसम से संबंधित अन्य सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाया जाए।

श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी विभाग अपने स्तर पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीकि का अधिकतम इस्तेमाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के दृष्टिगत संवदनशील स्थलों और चारधाम यात्रा मार्गों पर जेसीबी की पर्याप्त व्यवस्था की जाय।

नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर अमित शाह का विपक्ष पर निशाना

● बोले–ये राममंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगा देंगे

नईदिल्ली, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला हैं. शाह ने बुधवार को कहा कि, राहुल गांधी चाहते हुए भी कानून नहीं रद्द कर सकते हैं. शाह ने दावा किया कि, राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे विपक्षी नेता सीएए के खिलाफ हैं. अमित शाह ने लखीमपुर खीरी में एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि, पीएम मोदी के नेतृत्व में, भारत उन (अल्पसंख्यकों) को नागरिकता देगा जो पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए हैं. गौरतलब है कि, मार्च में, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सीएए लागू किया, जिससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर मुस्लिम प्रवासियों जो 31 दिसंबर से पहले भारत में प्रवेश कर चुके हैं के लिए भारतीय नागरिकता प्राप्त करना आसान हो गया है. चार साल पहले दिसंबर 2019 में संसद द्वारा ये कानून पारित किया गया था. बता दें कि, अधिनियम की अधिसूचना के बाद विपक्षी नेताओं ने इसकी जमकर आलोचना शुरू कर दी है, उन्होंने इसे असंवैधानिक, भेदभावपूर्ण और संविधान में निहित नागरिकता के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत का उल्लंघन करार दिया है. लखीमपुर में रैली के दौरान अमित शाह ने यह भी दावा किया कि, अगर विपक्ष सत्ता में आया तो वह अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला लगा देगा.

गुजरात के सौराष्ट्र में भूकंप के झटके, घरों से निकले लोग

नईदिल्ली,गुजरात के सौराष्ट्र में तलाला से 12 किमी दूर उत्तरपूर्व में 3.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए. गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि इसकी तीव्रता काफी कम थी. इस दौरान लोग घरों से बाहर आ गए. यह झटके कुछ देर के लिए आए थे. फिलहाल किसी तरह के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है. पिछले साल गुजरात के कच्छ में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई थी. इस भूकंप में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ था. गुजरात में सबसे बड़ा भूकंप 2001 में आया था. इस भूकंप में हजारों लोगों की जान चली गई थी. यह भूकंप भुज में आया था.

केजरीवाल की अंतरिम रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुना सकता है। बुधवार को जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने खुली अदालत में कहा कि वह सीएम केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के सवाल पर 10 मई को अपना फैसला सुनाएगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने संकेत दिया था कि वह मौजूदा आम चुनाव को देखते हुए आप नेता को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकती है।इसमें कहा गया कि यह एक असाधारण स्थिति है और सीएम केजरीवाल आदतन अपराधी नहीं हैं।

जांच एजेंसी ने अंतरिम राहत देने का विरोध करते हुए कहा था कि यह एक गलत मिसाल कायम करेगा और राजनेताओं के पास सामान्य नागरिकों की तुलना में कोई विशेष अधिकार नहीं है।

यह याचिका दिल्ली हाई कोर्ट के 10 अप्रैल के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज हो गई थी। सीएम केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। तब से वो हिरासत में हैं। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 मई तक बढ़ा दी थी।

संपादकीय

शासकीय कर्मचारियों को चेतावनी

वनाग्नि नियंत्रण मे आखिर राज्य सरकार का सख्त रवैया देखने को मिला है जिसके तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज की घटनाओं पर नियंत्रण पाने में लापरवाही दिखने पर 10 वन विभाग के कर्मचारियों को निलंबित किया है। यह चेतावनी है भविष्य के लिए ऐसे सभी कर्मचारियों के लिए जो वन अग्नि की घटनाओं को बेहद हल्के में लेते हैं और अपनी जिम्मेदारियां से बचने की कोशिश करते हैं। हालांकि ग्रीष्म ऋतु शुरू होने से पूर्व राज्य सरकार को वनग्नि की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए प्रयास करने चाहिए थे लेकिन उम्मीद नहीं थी कि इस बार वनों की आग इतना विकराल रूप धारण कर लेगी। निश्चित तौर पर मुख्यमंत्री का यह कदम आपदा जैसी घटनाओं पर लापरवाही बरतने वालों के लिए एक सबक साबित होगा। जल्दी चार धाम यात्रा भी शुरू होने वाली है और इन परिस्थितियों में कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह व्यवस्था में किसी भी प्रकार से बचने की कोशिश ना करें अन्यथा सरकार दंडात्मक कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। एक कुशल और पारदर्शी प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि कर्मचारियों में अपने जिम्मेदारी का बोध होने के साथ–साथ शासन का भी थोड़ा भय होना चाहिए। इससे पूर्व भी हमेशा ग्रीष्म ऋतु में जंगलों में आग लगती आई है लेकिन कभी भी शीर्ष नेतृत्व की ओर से लापरवाही बरतने पर कर्मचारियों के खिलाफ ऐसा कदम देखने को नहीं मिला। प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए यह एक सुखद अवसर है कि मुख्यमंत्री धामी ने दूसरे राज्य में अपना चुनाव प्रचार बीच में छोड़कर प्रदेश के जंगलों में लगी आग को प्राथमिकता पर रखा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए उत्तराखंड लौट आए। निश्चित रूप से इसका आम जन मे सकारात्मक संदेश जायेगा और जनसहयोग से शीघ्र ही आग पर काबू पाया जा सकेगा। उत्तराखंड राज्य इस समय वनाग्नि की आपदा से ग्रस्त है, जिसका सामना करनें के लिए सरकार के साथ–साथ ग्रामीण भी समूचा प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कहीं ना कही संसाधनों का अभाव नजर आया है जिसकी कमी भविष्य में पूरी करनी होगी। जंगल में आग की घटनाओं के सामने आने के बाद से ही सरकार और प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह सक्रिय हो कर इससे निपटने में जुटा है। वनों की आग पर नियंत्रण करने के कार्य में मुख्यमंत्री की बैठक के बाद तेजी देखने को मिली है और तमाम आपदा व्यवस्थाओं के लिए काम करने वाली एजेंसियां एक्शन मोड में है। भागीरथ प्रयासों के बावजूद अभी भी एक बड़ी आशा बरसात से ही बंधी हुई है क्योंकि मानवीय प्रयास चाहे जितने भी कर दिए जाएं प्राकृतिक तौर पर स्थाई समाधान बरसात ही है। आग पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार की ओर से जो एक और उत्साह जनक कदम उठाया गया है वह पिरोल की खरीद से जुड़ा हुआ है। सरकार ने अब पीरोल खरीदने का भी निर्णय लिया है जिसके तहत 50 रुपये किलो पीरूल की खरीद और 50 करोड़ का कारपस फंड बनाया जाएगा। जंगलों की आग पर नियंत्रण पाने के लिए लापरवाही करने पर 17 अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही कार्य के प्रति गंभीरता समझने की प्रवृति पैदा करेगी। प्रदेश में आपदा जैसी परिस्थितियों को समझते हुए ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर सीएम का आग नियंत्रण की गतिविधियों को परखना और स्वयं कार्रवाई के लिए आगे आना प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के प्रति सीएम की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है। फिलहाल कुछ हद तक जंगलों की आग पर नियंत्रण पाने में सफलता मिली है लेकिन अभी बड़े प्रयास की जरूरत है जिसमें सबसे बड़ी आशा की किरण बरसात है। शीघ्र ही जंगल की आग के काबू में आने की उम्मीद दिखाई देने लगी है। जंगलों की आग से होने वाली प्राकृतिक संपदा एवं वन्य जीवों को होने वाले नुकसान की भरपाई कभी नहीं की जा सकती लेकिन इतना जरूर है कि प्रारंभिक स्तर पर प्रयास करने से ऐसी घटनाओं पर अंकुश जरूर लगाया जा सकता है।

भारत के लिए चुनौती

भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण पश्चिम में स्थित इस द्वीपीय देश में मुइज्जू के राजनीतिक उभार से भारत की समस्याएं बढ़ रही हैं। दरअसल, मुइज्जू भारत की मालदीव में उपस्थिति को अनियंत्रित बता कर देश की सत्ता के शीर्ष पर आए हैं, और भारत विरोध की नीति के सहारे देश की संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन अब मुइज्जू ने जिस प्रकार देश की संसद में भी बंपर बहुमत हासिल किया है, उससे लगता है कि उनके भारत विरोध और चीन परस्त नीतियों को जनता ने पसंद किया है। ऐसे में यह विचार लाजिमी है कि आखिर, मालदीव की जनता भारत जैसे विसनीय मित्र के खिलाफ जाकर चीन की कुटिल कर्जनीति में क्यों उलझना चाहती है, और इसके दूरगामी परिणाम भारत के लिए कितने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। जनसंख्या की लिहाज से बहुत छोटे इस इस्लाम बाहुल्य देश में पिछले कुछ वषो में परंपरावाद को उभारने की कोशिशें राजनीतिक फायदा देने वाली साबित हुई हैं। खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाले मालदीव के हजारों नागरिकों की कथित धार्मिक अभिव्यक्ति को मुइज्जू ने वोट में बदलने में कामयाबी हासिल कर ली है।

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

हिन्द महासागर में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए बीजिंग और नई दिल्ली, दोनों मालदीव को अपने प्रभाव क्षेत्र में रखने के लिए कृतसंकल्पित रहे हैं। इसका असर मालदीव की घरेलू राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है।

भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण पश्चिम में स्थित इस द्वीपीय देश में मुइज्जू के राजनीतिक उभार से भारत की समस्याएं बढ़ रही हैं। दरअसल, मुइज्जू भारत की मालदीव में उपस्थिति को अनियंत्रित बता कर देश की सत्ता के शीर्ष पर आए हैं, और भारत विरोध की नीति के सहारे देश की संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन अब मुइज्जू ने जिस प्रकार देश की संसद में भी बंपर बहुमत हासिल किया है, उससे लगता है कि उनके भारत विरोध और चीन परस्त नीतियों को जनता ने पसंद किया है। ऐसे में यह विचार लाजिमी है कि आखिर, मालदीव की जनता भारत जैसे विसनीय मित्र के खिलाफ जाकर चीन की कुटिल कर्जनीति में क्यों उलझना चाहती है, और इसके दूरगामी परिणाम भारत के लिए कितने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। जनसंख्या की लिहाज से बहुत छोटे इस इस्लाम बाहुल्य देश में पिछले कुछ वषो में परंपरावाद को उभारने की कोशिशें राजनीतिक फायदा देने वाली साबित हुई हैं।

खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाले मालदीव के हजारों नागरिकों की कथित धार्मिक अभिव्यक्ति को मुइज्जू ने वोट में बदलने में कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने भारत से ऐतिहासिक जुड़ाव को नजरअंदाज कर बदलती परिस्थितियों में तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब की ओर रुख किया। फिलिस्तीन जैसे भावनात्मक मुद्दे को धार्मिक आधार पर उठाया तथा इस्लामिक आदर्शवाद पर आधारित नये मालदीव की परिकल्पना को राजनीतिक आधार पर जनता के सामने रखा। मुइज्जू ने संसद में संविधान में संशोधन के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अर्थ यह कि वे राजनीतिक संस्थागत दृष्टिकोण से, सब कुछ नियंत्रित कर सकते हैं खासकर न्यायपालिका की शक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं।

मालदीव में राजनीतिक उथल–पुथल का इतिहास रहा है। भारत समर्थक राजनीतिक दलों पर अंकुश लगाने के लिए मुइज्जू प्रमुख नेताओं को जेल में डाल सकते हैं।

मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद चीन से मजबूत रिश्तों को तरजीह दी। वे अब तक नई दिल्ली नहीं आए हैं, बीजिंग की राजकीय यात्रा पर जाकर निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। चीन के साथ गैर–घातक हथियारों को मुफ्त में देने के साथ–साथ मालदीव के सुरक्षा बलों को प्रशिक्षित करने के लिए एक सैन्य सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत और अमेरिका ने पहले मालदीव की सेना को प्रशिक्षित किया था। भारत मालदीव को हिन्द महासागर क्षेत्र में प्रमुख समुद्री भागीदार के रूप में मान्यता देता है।

यह द्वीपीय राष्ट्र भौगोलिक दृष्टि से भारत और कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों पर नजर रखता है। भारत ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि मालदीव व्यापार, पर्यटन और शिपिंग के लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है। मालदीव रणनीतिक रूप से लक्षद्वीप द्वीप समूह से केवल सात सौ किलोमीटर और भारत की मुख्य भूमि से बारह सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत से इसकी निकटता को देखते हुए महत्त्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को जन्म देता है। हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन ने तेजी से सैन्य आधुनिकीकरण किया है, इससे भारत की सामरिक और आर्थिक क्षमताओं के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं।

हिन्द महासागर में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव और उसकी महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल में मुइज्जू की दिलचस्पी कम नहीं है। 2023 में मालदीव के राष्ट्रपति पद पर मोहम्मद मुइज्जू के चुने जाने के बाद से क्षेत्र में देश के रिश्ते बदल गए हैं। मालदीव ने चीन के साथ रक्षा समझौतों और बुनियादी ढांचे के सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। चीन के समुद्री अनुसंधान जहाज जियांग यांग होंग को मालदीव के बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति देने से चीन का प्रभाव और भी पुष्ट होता है। जनवरी में जब मुइज्जू ने चीन का दौरा किया था, इसके चौबीस घंटे के बाद चीन के इस जहाज ने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी।

संभवतः मुइज्जू इसके जरिए भारत को यह संदेश भी दे देना चाहते थे कि वे चीन से रिश्तों को लेकर कोई समझौतावादी रुख नहीं अपनाएंगे। बारह सौ द्वीपों की श्रृंखला से बने मालदीव के अधिकांश द्वीप निर्जन हैं। मालदीव लंबे समय से भारत के प्रभाव क्षेत्र में रहा है। वहां अपनी मौजूदगी बनाए रखने से दिल्ली को हिन्द महासागर के एक प्रमुख हिस्से पर नजर रखने की क्षमता मिलती है।

मुइज्जू को देश में चीन के हितों के समर्थक के रूप में देखा जाता है। भारत और चीन, दोनों रणनीतिक रूप से स्थित द्वीपों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जो व्यस्त पूर्व पश्चिम शिपिंग लेन में फैले हुए हैं। चीन, अपनी तेजी से बढ़ती नौसेना के साथ, रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थान तक पहुंच तथा भारत को रोकना चाहता है। दिल्ली और बीजिंग, दोनों ने मालदीव को बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए ऋण और अनुदान के रूप में करोड़ों डॉलर दिए हैं। मुइज्जू अब चीन पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं, और यह भारत के लिए चुनौतीपूर्ण बन रहा है।

भारत को हिन्द महासागर के अहम साझेदार मालदीव के साथ राजनीतिक गतिरोध को दूर करने की कोशिशें करते रहना होगा। आर्थिक और सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने को प्राथमिकता देनी होगी। जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों जैसे प्रमुख सुरक्षा भागीदारों के साथ भी रक्षा सहयोग को मजबूत करना होगा जिससे चीन को इस क्षेत्र में निर्णायक रणनीतिक बढ़त लेने से रोका जा सके। चीन मालदीव जैसे छोटे से देश की भारत पर सैन्य निर्भरता कम करने के लिए उसकी सैन्य क्षमताओं का विकास कर रहा है, इससे मालदीव की सेना मजबूत होगी और इसके राजनीतिक दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ सकती हैं। मुइज्जू चीन के उस सामरिक चक्रव्यूह को रचने में मददगार बन रहे हैं, जिसके अनुसार चीन मालदीव में नौसैनिक अड्डा बना कर समुद्री सीमा पर भारत को रणनीतिक रूप से घेर ले जिससे हिमालय की सीमा पर भारत पर सैन्य दबाव बढ़ सके।

समूचा विश्व भयाक्रांत

ललित गर्ग

शांति के तमाम उपायों के बीच दुनिया भर में सैन्य खर्च, शस्त्रीकरण एवं घातक हथियारों की होड़ खतरे की घंटी हैं। शस्त्रीकरण के भयावह दुष्परिणामों से समूचा विश्व भयाक्रांत है।

हर पल आणविक हथियारों के प्रयोग को लेकर दुनिया डर के साये में जी रही है। इसीलिए आज अयुद्ध, निशस्त्रीकरण एवं शांति की आवाज चारों ओर से उठ रही हैं। शक्ति संतुलन के लिए शस्त्र–निर्माण एवं शस्त्र संग्रह की बात से किसी भी परिस्थिति में सहमत नहीं हुआ जा सकता क्योंकि इससे अपव्यय तो होता ही है, साथ ही गलत हथियारों के हाथों में पडक़र दुरुपयोग की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

ताजा घटनाक्रम को देखें तो एक ओर रूस और यूक्रेन आमने–सामने हैं, दूसरी तरफ इस्त्राइल और ईरान के बीच तल्खी भी चरम पर है। चीन और ताइवान के बीच भी रह–रह कर युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे माहौल में सवाल स्वाभाविक है कि क्या सचमुच दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते हुए घातक हथियारों की प्रयोगभूमि बन रही है? सवाल और भी हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हथियारों पर ताजा रिपोर्ट ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। दुनिया सीधे–सीधे दो खेमों में बंट गई है। स्टॉकहोम की रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, डराने वाले भी हैं। शांति के तमाम उपायों के बीच दुनिया भर में सैन्य खर्च का बढऩा एवं नये–नये हथियारों का बाजार गरम होना, चिंताजनक है।

रिपोर्ट में खास बात यह है कि दुनिया में सर्वाधिक सैन्य खर्च करने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर बरकरार है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन चुका है।

रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे। रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014–18 की तुलना में 2019–23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस–यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। इसके अलावा, पिछले पांच वषो में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे। इस लिस्ट में रूस–यूक्रेन युद्ध ने देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है तो अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नम्बर पर हैं। पिछले 25 सालों में पहली बार अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा।

अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ–साथ अमेरिका स्वयं ही हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका ने दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिए जिस अपसंस्कृति को दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड ऑर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है।

लगता है कि ह्यविश्व मानवह्न का दम घुट रहा है, और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडंबना देखिए, अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है, लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी देश में नहीं हैं। कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोगों को मार डाला। 2014 में अमेरिका में हत्या के दर्ज सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद मामलों में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था।

दरअसल, मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध एवं हथियारों की विभीषिका से मुक्ति दिलाना जरूरी है। युद्धरत देशों में शांति स्थापित कर, युद्ध–विराम करके विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक या दूसरे देश की जीत नहीं, बल्कि समूची मानव–जाति की जीत होगी। यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु–विनाश की ओर। रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिए कराया है। युद्ध से तबाही रूस–यूक्रेन की नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा जो दुनिया की बड़ी चिंता का सबब है।

बड़े शक्तिसंपन्न देशों को युद्ध विराम के प्रयास करने चाहिए। लेकिन प्रश्न है कि जो देश हथियारों के निर्माता हैं, वे क्यों चाहेंगे कि युद्ध विराम हो। जब तक शक्तिसंपन्न देशों की शस्त्रों के निर्माण एवं निर्यात की भूख शांत नहीं होती तब तक युद्ध की आशंकाएं मैदान में, समुद्र में, आकाश में तैरती रहेंगी।

पशु जीवन के साथ भी हो गरिमापूर्ण व्यवहार

—डॉ. सत्यवान सौरभ

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियां शामिल हैं, जहां किसी जानवर की जरूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है: लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है, इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें अन्य बातों के अलावा एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।दंड संहिता में संशोधन करके जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सजा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुर्माना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुर्माना पच्चीस रुपये से कम नही होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशा– निर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा) निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा) कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसी अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है।

आनंद देवराकोंडा की फिल्म गम गम गणेशा की आकर्षक पोस्टर के साथ रिलीज डेट भी आई सामने

युवा अभिनेता आनंद देवराकोंडा, जिन्होंने डोरसानी, मिडिल क्लास मेलोडीज़ और पुष्पका विमानम जैसी फिल्मों से टॉलीवुड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, ने साई राजेश द्वारा निर्देशित बेबी के साथ अपने करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाई। वह अब गम गम गणेशा नाम से एक एक्शन एंटरटेनर लेकर आ रहे हैं। हाल ही में जारी दिलचस्प फर्स्ट लुक, टीज़र और गाने ने सभी का ध्यान खींचा।प्रगति श्रीवास्तव ने मुख्य भूमिका निभाई है। गम गणेशा उदय शेट्टी द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का निर्माण हाई–लाइफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले केदार सेलागामाशेट्टी और वामसी करुमांची द्वारा किया गया है। आज, निर्माताओं ने एक आकर्षक पोस्टर के साथ बहुप्रतीक्षित रिलीज़ डेट की घोषणा की।पोस्टर में आनंद देवरकोंडा एक चट्टान पर खड़े होकर बंदूक से फायरिंग करते नजर आ रहे हैं, जिसमें से गुलाब की पंखुडिय़ां निकल रही हैं. पोस्टर का बैकग्राउंड लाल रंग से भरा है और तारीख पीले रंग में रखी गई है। यह फिल्म 31 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। सिनेमाघरों में कॉमेडी, अराजकता और भ्रम बहुत जल्द शुरू हो जाता है। निर्माता मई की शुरुआत से क्रिएटिव प्रमोशन की योजना बना रहे हैं।

चैतन भारद्वाज ने गम गम गणेशा के लिए संगीत तैयार किया है। कार्तिका श्रीनिवास आर फिल्म की संपादक हैं। फिल्म के सह–निर्माता अनुराग परवाथेनी हैं। फिल्म में करिश्मा, वेनेला किशोर, जबरदस्त इमैनुएल और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अजय की फिल्म मैदान की दैनिक कमाई में आया उछाल, बड़े मियां छोटे मियां का बुरा हाल

अमित शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मैदान का खुमार चौथे सप्ताह में भी दर्शकों के सिर चढक़र बोल रहा है।इस फिल्म में पहली बार अजय देवगन और प्रियामणि की जोड़ी बनी है। फिल्म की कहानी और तमाम सितारों की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।वीकेंड पर मैदान ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी छलांग लगाई। लाखों में सिमटी इस फिल्म की कमाई एक बार फिर करोड़ों में कारोबार कर रही है। अब मैदान की 25वें दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, चौथे रविवार को इस फिल्म ने 1.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 48.40 करोड़ रुपये हो गया है।मैदान की कहानी फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम पर आधारित है, जिनके मार्गदर्शन में भारतीय फुटबॉल टीम ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में जीत हासिल की थी।

अंपायर से बहस करना सैमसन को पड़ा महंगा, बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

नई दिल्ली,। शतक से चूकने और टीम की हार के बाद संजू सैमसन को एक तीसरा झटका लगा है। मंगलवार को दिल्ली के खिलाफ मैदानी अंपायरों के साथ तीखी बहस के लिए आरआर कप्तान पर बीसीसीआई ने मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है।अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच एक रोमांचक मुकाबला खेला गया।डीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 221 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 201 रन ही बना सकी।सैमसन की 46 गेंदों में 86 रनों की बेहतरीन पारी का अंत विवादित रहा। शाई होप ने मुकेश की गेंद पर बाउंड्री रोप के पास सैमसन का एक शानदार कैच लपका।ऐसा लगा कि होप ने गेंद को सफलतापूर्वक पकड़ लिया था और कई रीप्ले को देखकर भी यही लगा, लेकिन एक ऐसा एंगल भी था जिसने कैच को लेकर थोड़ा संदेह पैदा कर दिया। हालांकि, तीसरे अंपायर ने अंततः पहले दो रीप्ले पर भरोसा किया और सैमसन को आउट घोषित कर दिया।इसके बाद शुरुआत में डगआउट की ओर बढ़ रहे सैमसन रिप्ले देखने के बाद अंपायर के फैसले से असंतुष्ट दिखे और अंपायरों से बहस करने लगे।हालांकि थोड़ी देर बहस करने के बाद संजू को अंपायर का फैसला मानकर पवेलियन जाना पड़ा। अब बीसीसीआई ने सैमसन के इस व्यवहार के लिए जुर्माना ठोक दिया है।बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 7 मई, 2024 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।सैमसन ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है।

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 में नजर आएंगे अभिषेक बच्चन

साजिद नाडियाडवाला की कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल को दर्शकों ने खूब प्यार दिया . अब तक इसकी 4 फिल्में आ चुकी हैं और अब इस फिल्म के 5वें पार्ट का इंतजार है. फैंस भी हाउसफुल 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब तक फिल्म को लेकर कोई खास अपडेट नहीं आया है लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म की स्टारकास्ट में एक और नाम जोड़ दिया है. इसका ऐलान मेकर्स ने सोशल मीडिया पर भी कर दिया है.

साजिद नाडियाडवाला की फिल्म हाउसफुल 5 का ऐलान पिछले साल किया था. तभी से फैंस इसकी हर एक अपडेट पाने के लिए बेकरार थे. वहीं अब साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म के स्टारकास्ट में से एक नए नाम को रिवील कर दिया है. साजिद ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर बताया है कि हाउसफुल 5 में अभिषेक बच्चन की एंट्री हो गई है.

जी हां, साजिद के बेटे ने अपने इंस्टाग्राम पर अभिषेक बच्चन और साजिद की एक तस्वीर पोस्ट की है. इसके साथ ही कैप्शन में ये भी जानकारी दी है कि फिल्म में अभिषेक बच्चन की एंट्री हो गई है. कैप्शन में लिखा है– हम लोग ऐलान करते हैं कि हाउसफुल 5 में फिर से अभिषेक बच्चन की एंट्री हो गई है. हम उन्हें वापस पाकर बहुत खुश हैं.

अभिषेक बच्चन ने भी फिल्म में वापसी करने के बाद अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है. एक्टर ने कहा कि– हाउसफुल मेरी फेवरेट कॉमेडी फ्रचाइंची है. अब इस फिल्म में वापस आकर बिल्कुल घर जैसा फील हो रहा है. साजिद नाडियाडवाला के साथ काम करना हमेशा बहुत खुशी की बात रही है. मैं अपने साथी कलाकारों अक्षय और रितेश के साथ सेट पर जमकर मस्ती करने के लिए भी बहुत एक्साइटिड हूं.

व्हीलचेयर टेनिस चैम्पियनशिप के माध्यम से एथलीटों को सशक्त बनाने फर्स्ट सर्व और एआईटीए आए साथ

नईदिल्ली, रेयान पुंज द्वारा स्थापित एनजीओ फर्स्ट सर्व ने हाल ही में यहां डीएलटीए स्टेडियम में एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, जो भारत में टेनिस के खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। रेयान पुंज के नेतृत्व में फर्स्ट सर्व ने दिव्यांग लोगों के लिए खेलों का आयोजन और इसकी बढ़ोतरी के लिए हमेशा आवाज उठाई है।

हर बाधाओं को दूर करने और एथलीटों के लिए अवसर पैदा करने का संगठन का मिशन पूरे देश में गूंज रहा है, इसलिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप भारतीय टेनिस परिदृश्य में एक प्रमुख आयोजन के रूप में उभर रही है। चैंपियनशिप में 3.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जो पूरे भारत के शीर्ष क्रम के व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों को आकर्षित करता है। कार्तिक के और शिल्पा केपी जैसे प्रसिद्ध एथलीटों ने इसमें भाग लिया और राष्ट्रीय गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने किया। दूरदर्शन–डीडी स्पोर्ट्स ने चैंपियनशिप फाइनल का लाइव कवरेज किया, जिसमें देश भर के दर्शकों को कौशल का प्रदर्शन देखने का मौका मिला। इस मौके पर रेयान पुंज ने कहा, "मैं खेलों में पहुंच और सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के साथ सहयोग कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। टेनिस के माध्यम से, हमारा लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।" यह पहल सामाजिक प्रभाव और युवा सशक्तिकरण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता जताता है। इस चैम्पियनशिप के माध्यम से एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप और फर्स्ट सर्व एनजीओ का लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

एक नजर

धू-धू कर जल रहे बैंग्वाड़ी के जंगल, स्कूल को बचाया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में वनाग्नि की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। जिले में जगह-जगह जंगल धधक रहे है। पौड़ी-श्रीनगर नेशनल हाईवे से सटे बैंग्वाड़ी के जंगलों में बुधवार को आग लगी रही। मंगलवार शाम को ही यहां भीषण आग लग गई थी। जिस पर मौके पर फायर बिग्रेड ने पहुंच कर कुछ आग को बुझा दिया था। इसके बाद दूसरे हिस्से में आग फैल गई। जंगल की आग से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बैंग्वाड़ी के भवन को वन विभाग की टीम ने बचा लिया। रेंजर मनोज रावत के नेतृत्व में वन कर्मियों के साथ ही राजस्व टीम भी मौके पर रही। यहां फायर लाइन काटते हुए जंगल की आग को स्कूल भवन के नजदीक नहीं आने दिया गया। इसके बाद आग बैंग्वाड़ी गांव जंगल के दूसरे हिस्से में फैली। बुधवार को भी यहां आस-पास के जंगल धू-धू कर जलते रहे।

दुराचार के दोषी को 20 साल की सजा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विशेष सत्र न्यायाधीश पौड़ी की अदालत ने नाबालिग के साथ दुराचार के दोषी को 20 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सजा के साथ 40 हजार का अर्थदंड लगाते हुए पीड़िता को 2 लाख का प्रतिकर देने के आदेश प्रदेश सरकार को दिए है। इस मामले में 24 अगस्त 2021 को थाना थलीसैंण में पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। दोषी रिश्ते में नाबालिग के गांव का ताऊ लगता है।

वायुसेना के हेलीकाप्टर ने बुझाई जंगलों में लगी आग

श्रीनगर गढ़वाल : पौड़ी जनपद के अदवाणी व चौरकंडी के जंगलों में लगी आग पर वायुसेना के एमआई 17 हेलीकॉप्टर ने बुधवार को 7 राउंड में 35 हजार लीटर पानी की सहायता से आग पर काबू पाया। बुधवार को तीसरे दिन वायुसेना के हेलीकॉप्टर द्वारा जीवीके बैराज श्रीनगर से पानी को अपलिफ्ट कर पौड़ी विकासखंड के अदवाणी व विकासखंड खिर्सू के चौरकंडी के जंगलों में लगी आग को बुझाया गया। हेलीकॉप्टर ने अलकनंदा नदी से बांबी बैकेट में एक राउंड में पांच हजार लीटर पानी भरकर जंगलों और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में 7 राउंड लगाकर जंगलों में लगी आग को बुझाया।

टैक्सी यूनियन श्रीनगर ने जाम रखे पहिये

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली श्रीनगर में बीते मंगलवार को हुई बैठक में लिए गये निर्णय के विरोध में बुधवार को टैक्सी यूनियन श्रीनगर ने सुबह वाहनों के पहिये जाम रखे। सुबह से ही श्रीनगर से श्रीकोट लोकल गाडियों के ना चलने से कार्यालय और स्कूलों को जाने वाले छात्र–छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह 11 बजे कोतवाल के आश्वासन के बाद ही लोकल वाहनों की आवाजाही शुरू की गई। (एजेंसी)

कार्यशाला से होगा व्यावसायिक क्षमताओं का विकास

चमोली : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में बीते दिन को शिक्षा में कला और नाटक का महत्व विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। बीएड विभाग और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

कार्यशाला में प्राचार्य प्रो. कुलदीप नेगी ने कहा कि व्यावसायिक क्षमताओं के विकास में इस तरह की कार्यशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध रंगकर्मी विजय वशिष्ठ ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी विविध दृष्टिकोणों को स्वीकार करना, परिणामों पर बातचीत करना, संघर्षों को हल करना और जिम्मेदारी लेना सीखते हैं। बीएड विभागाध्यक्ष प्रो. स्वाति नेगी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से प्रशिक्षणार्थियों का सामाजिक और भावनात्मक विकास होता है और छात्र यह भी सीखते हैं कि विभिन्न परिदृश्य में उचित प्रक्रिया कैसे दी जाए।

डॉ. रावत होम्योपैथिक रत्न अवार्ड से सम्मानित

नई टिहरी : भिलंगना ब्लॉक में निजी क्लिनिक संचालित करने वाले होम्योपैथिक चिकित्सक गोविंद रावत को अखिल भारतीय चिकित्सा एसोसिएशन दिल्ली की ओर से उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। बीते दिन एसोसिएशन की ओर से बैक्सन होम्योपैथी मेडिकल कालेज ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. गोविंद रावत को होम्योपैथिक रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए 150 होम्योपैथिक डॉक्टरों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए होम्योपैथिक रत्न अवार्ड प्रदान किया गया।

गर्मी में बढ़ी मटके की मांग, सेहत के लिए है रामबांण

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग में सजी मिट्टी के घड़े व मटके की दुकान

बाजार में दो सौ से पांच सौ रुपये तक बिक रहे मटके व सुराही

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही बाजार में मटके व सुराही की मांग बढ़ने लगी है। बाजार में विभिन्न डिजाइनों में मटका, सुराही, कुल्हड़, बोतल व गिलास उपलब्ध हैं। हालांकि इस वर्ष मटका, सुराही व अन्य मिट्टी के बर्तनों के दामों में कुछ बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा ठंडे पानी की इच्छा होती है। लिहाजा गर्मियों में मिट्टी के मटके और सुराही की डिमांड बढ़ने लगती है। अब तो बाजार में मटके के साथ मिट्टी की बोतल भी खूब बिक रही है। इन बोतलों को व्यक्ति अपने बैग में रख आफिस या सफर में भी आसानी से लेजा सकते हैं। बच्चों के लिए स्पेशल मिट्टी के गिलास व बोतल भी बाजार में उपलब्ध है। मटका व सुराही विक्रेताओं ने बताया कि समय के साथ मिट्टी के बर्तनों में भी परिवर्तन किया गया है। पहले बिना ढक्कन वाली मिट्टी की बातले आती थी। जिसे हम केवल घर की टेबल में रख सकते थे। लेकिन, अब इसमें ढक्कन भी लगाया गया है। साथ ही मटके में भी टूटी (नल) लगवाई गई है। टूटी (नल) वाले मटके की कीमत साढ़े चार सौ रुपये है। जबकि, बोतल की कीमत दो सौ से चार सौ रुपये तक है।

सेहत के लिए मटका है रामबांण

गर्मी के मौसम में मटके का पानी औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि मटका या घड़ा पानी की गुणवत्ता को सुधारता है। मटका पानी की सभी अशुद्धियों को दूर कर देता है। फ्रिज का पानी डायरेक्ट पीने से नुकसान करता है। सर्दी-खांसी जुकाम या गले में दर्द होने की संभावना बनी रहती है। लेकिन, मटके के पानी पीने से ऐसा कुछ भी नहीं होता। इसका टेंपरेचर नार्मल होता है। घड़े के पानी के साथ कई मिनरल्स भी शरीर को मिलते हैं।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते उत्तराखंड विकास समिति के सदस्य

शहर में चलाई जाएं सिटी बस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड विकास समिति ने कोटद्वार व भाबर क्षेत्र में सिटी बस चलवाने की मांग की है। कहा कि इससे सिड़कुल कर्मचारियों, श्रमिकों व छात्र-छात्राओं को बेहतर लाभ मिलेगा।

समस्या के संबंध में समिति ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला ने बताया कि वर्तमान में बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए नगर निगम क्षेत्र में सिटी बस चलाए जाने की सख्त जरूरत है।

सिगड्डी स्थित सिडकुल हो चाहे जशोधरपुर की फैक्ट्रियां हो श्रमिकों का आवागमन बना रहता है, क्षेत्र में कई निजी व सरकारी विद्यालयों में सैकड़ों की संख्या में छात्र पढ़ने के लिए जाते हैं, जिन्हें थ्री व्हीलर व टैम्पों के माध्यम से अधिक किराया देकर जाना पड़ता है, ऐसे में सिटी बस का संचालन हो जाने से श्रमिकों, छात्रों व अन्य लोगों को अपने गंतत्वों तक पहुंचने में आसानी हो जाएगी। क्षेत्र में शीघ्र ही सिटी बस संचालन करने की मांग की है, मांग न जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन सौपने वालों मं विपुल उनियाल, जेएस नेगी, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, शशिमोहन उनियाल, दुर्गाप्रसाद मौजूद रहे।

मालन पुल निर्माण नहीं होने पर जताया आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोटद्वार ने प्रदेश सरकार पर मालन पुल निर्माण में उदासीनता बरतने का आरोप लगाया। कहा कि पूर्व में आश्वासन के बाद भी अब तक पुल मरम्मत का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। ऐसे में जनता में आक्राश बना हुआ है। अपर कालाबड़ में हुई पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बैठक में पूर्व सैनिकों ने कहा कि मालन पुल टूटे एक साल होने वाला है लेकिन अभी तक पुल निर्माण को लेकर कोई कवायद नहीं हुई है। जबकि एक माह बाद बरसात शुरू हो जाएगी। कहा कि पुल निर्माण नहीं होने पर बारिश के चलते भाबर क्षेत्र कोटद्वार से अलग-थलग पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए सत्ता दल के प्रत्याशी घर-घर आए, लेकिन पुल निर्माण को लेकर कोई बात तक नहीं की। पूर्व सैनिकों ने कहा कि परिषद जल्द ही 'जल बचेगा, तो कल बचेगा' जन जागरुकता अभियान चलायेगा। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, अनूप बिष्ट, सीपी ढौंडियाल, बलवान रावत, सुरेश रावत, देवेंद्र नेगी, संजय असवाल और विनोद ध्यानी आदि मौजूद रहे।

प्लेसमेंट ड्राइव में 15 छात्र-छात्राओं का चयन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर के झंडीचौड़ स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट के लिए 62 छात्र–छात्राओं का पंजीकरण हुआ, जिसमें फार्मेसी के 15 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. पीएस राणा ने बताया कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए विश्व विद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। इसके तहत विश्व विद्यालय में कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। कहा कि विभिन्न नामी कम्पनियों को प्लेसमेंट ड्राइव कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया जाता है।

ठंडी पड़ी योजना, कठुली में पेयजल संकट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकास क्षेत्र एकेश्वर के ग्राम सभा कठुली में पिछले एक सप्ताह से पेयजल संकट बना हुआ है। ग्रामीणों को पेयजल की तलाश में प्राकृतिक स्त्रोतों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। 1980 के दशक में जल संस्थान ने कठुली, नावा, थापलू, अमोठा के लिए उच्चाकोट-कठुली पेयजल योजना का निर्माण किया था। कुछ वर्ष तक तो योजना से बेहतर लाभ मिलता रहा। लेकिन, धीरे-धीरे पेयजल लाइन बदहाल होने के बाद सप्लाई बंद होने लगी। आलम यह है कि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति पूर्ण रूप से बंद हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग मरम्मत के नाम पर प्रतिवर्ष इस योजना पर लाखों रुपए खर्च करता है। लेकिन, कोई लाभ नहीं मिल रहा। कठुली निवासी हरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि समस्या से कई बार विभाग को अगवत करवाया जा चुका है। लेकिन, अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं। पेयजल योजना पर नए सिरे से पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जाना चाहिए, जिससे ग्रामीणों को बेहतर लाभ मिल सकें।

शहर की अव्यस्थाओं पर भड़के पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने आक्रोश व्यक्त किया है। कहा कि सड़कों पर अतिक्रमण के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। शासन-प्रशासन समस्याओं के निराकरण को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत के नेतृत्व में पूर्व सैनिक तहसील परिसर में एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। महेंद्र पाल सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान में पूरा नगर निगम क्षेत्र अतिक्रमण की जद है। बाजारों में अतिक्रमण होने से लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, अतिक्रमण से आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है। कहा कि सबसे ज्यादा अतिक्रमण गोखले मार्ग, स्टेशन रोड़, गंगादत्त जोशी मार्ग, गैरिज रोड़, हनुमान मंदिर से लेकर गाड़ीघाट तक, आर्मी कैंटीन, मीट मार्केट, जिला परिषद मार्केट, पुराना सिद्धबलि मार्ग पर अतिक्रमण हो रखा है। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने लाल निशान तो लगा दिए हैं, लेकिन कई महीनों से लाल निशान आमजन का मुंह चिढ़ा रहे है। कहा कि नगर निगम प्रशासन उच्च न्यायालय के आदेशों की भी अनदेखी कर रहा है। मुख्यमंत्री से कोटद्वार को अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए संबधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की है, मांग न जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

अतिक्रमण हटाने को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते पूर्व सैनिक

तत्पश्चात पूर्व सैनिक संघर्ष समिति से जुड़े सदस्य लैंसडौन प्रभागीय वनाधिकारी के कार्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। पूर्व सैनिकों ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग पर बने वैरियर पर चुंगी लिए जाने का घोर विरोध किया। कहा कि लालढांग, चमरिया क्षेत्र में स्थानीय लोगों की खेत है, जहां उन्हें रोजाना खेतीबाड़ी करने के लिए जाना पड़ता है, ऐसे में वन विभाग के वैरियर में उन्हें चुंगी देनी पड़ती है। जिसे तत्काल बंद किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मदन सिंह, देवेंद्र रावत, राजेश बिष्ट, मोहन सिंह,पुष्कर सिंह, अनुसुया प्रसाद, ठाकुर सिंह, राजमोहन सिंह, ताजबर सिंह शामिल रहे।

विद्यार्थियों ने लिया समाज सेवा का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में जूनियर रेडक्रास सोसाइटी व राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से विश्व रेडक्रास दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने समाज सेवा का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने रेडक्रास के संस्थापक हेनरी ड्यूनेट के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष आठ मई को अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रास के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूनेट के जन्म दिन पर विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।

कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए उन्होंने जीवन पर्यंत संघर्ष किया। रेडक्रास के आदर्श वाक्य के अर्थ को समझाते हुए कहा कि मानवता के माध्यम से शांति तक का संदेश विश्व समुदाय को प्रेरित करता है। कहा कि हमें भी पीड़ितों व जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए।

शिक्षक संजय कुमार ने बताया कि मानव कल्याण के लिए किए गए सेवा कार्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रास सोसाइटी को वर्ष 1917, वर्ष 1944, वर्ष 1963 में तीन बार शांति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक प्रमोद रावत, प्रकाश चंद्र कैंथोला, नीरज रमोला मौजूद रहे।

रेडक्रास के संस्थापक हेनरी ड्यूनेट को श्रद्धांजलि देते शिक्षक

गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा बदरीनाथ के लिए हुई रवाना

चमोली : तेल कलश गाडू घड़ा की शोभायात्रा बुधवार को डिम्मर गांव के लक्ष्मी नारायण मंदिर से बदरीनाथ के लिए रवाना हुई। इस दौरान सिमली बाजार, कर्णप्रयाग, लंगासू, नंदप्रयाग, मैठाणा और चमोली में भक्तों ने तेल कलश पर पुष्पवर्षा कर दर्शन किए। गाडू घड़ा की शोभायात्रा शाम को यात्रा पाखी गांव पहुंची।

यात्रा 9 मई को जोशीमठ, 10 मई को पांडुकेश्वर, 11 मई को बदरीनाथ पहुंचेगी और 12 मई को शुभ मुहूर्त में भगवान के कपाट खुलने पर अभिषेक पूजा प्रारंभ होगी। बुधवार सुबह लक्ष्मीनारायण मंदिर के पुजारी मोहन प्रसाद डिमरी ने अभिषेक पूजा कर गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा को बदरीनाथ के लिए विदा किया। इस दौरान भक्तों ने पुष्प वर्षा कर जयकारे लगाए और भगवान बदरीविशाल से विश्व कल्याण की कामना की। (एजेंसी)

बिजली की आंख मिचोली से लोग परेशान, कामकाज प्रभावित

पौड़ी : गत देर सांय अधड़ चलने से आकाशीवाणी के समीप एलटी लाइन में पेड़ गिरने से तार टूट गई। जिससे पूल्ड हाउस सहित अन्य मोहल्लों में विद्युत आपूर्ति बाधित रही। बुधवार को बिजली आने जाने का सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा। जिससे सरकारी कार्यालयों के साथ ही बाजार में व्यापारियों का कामकाज भी प्रभावित रहा। हालांकि ऊर्जा निगम की टीम लाइन को सुचारू करने में दिन भर जुटी रही।मंगलवार की देर शाम को शहर में अधड़ चलने से आकाशवाणी के समीप एलटी लाइन में पेड़ गिरने से तार टूट गई। जिससे बुधवार को दोपहर तक शहर के पूल्ड हाउस, आकाश-ावाणी, तहसील परिसर के साथ ही बाजार के कलक्ट्रेट परिसर, मालरोड, धारारोड, लोअर बाजार आदि मोहल्लों में बिजली की आपूर्ति प्रभावित होती रही।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप–मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए इपीसी सिंगल स्टेज दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत ई–निविदा आमंत्रित करते हैः–

ई–निविदा एनआईटी संख्या	17–विद्युत/नि./टीएसएस/यू.एम.बी./इपीसी/135
कार्य का नाम व स्थान : अम्बाला मंडल के नंगल डेम – तलवाडा सेक्शन में अम्ब – अण्डौरा पर डबल सर्कट 132 केवी/27 केवी, 21.6/30.24 एमवीए ट्रेक्शन सब–स्टेशन (टीएसएस), एससीएडीए सहित, सामान्य विद्युत कार्य, सिविल इंजी0 कार्य तथा दूसरा 132 केवी/27 केवी, 21.6/30.24 एमवीए का प्रावधान, सिंगल फेस ट्रेक्शन पावर ट्रांसफार्मर तथा इसके सहयोगी उपकरण वगैरह कुराली (केआरएलआई)/टीएसएस डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग व कमीशनिंग कार्य का प्रावधान।	
कार्य पूरा करने की अवधि	365 (तीन सौ पैंसठ) दिन नियुक्ति तारीख से
कार्य की अनुमानित लागत	रुपए 18,25,16,261.21
बोली प्रतिभूति (आन लाईन) जमा कराने के लिए	रुपए 10,62,600/–
बोली देय दिनांक	दिनांक 20.06.2024 समय 11:00 बजे तक
निविदा के क्लाज संख्या 2.11.2 में लिस्टिड सभी दस्तावेज फिजिकल जमा कराने की दिनांक	दिनांक 25.06.2024 समय 11:00 बजे तक
बोली खुलने की तिथि व समय	विस्तृत ई–निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 09.05.2024 से 20.06.2024 तक उपलब्ध होगा। बोली दिनांक 27.06.2024 को 11.30 बजे खोली जाएगी। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

प्रपत्र सं0 17–विद्युत/नि./टीएसएस/यू.एम.बी./इपीसी/135
दिनांक 07.05.2024 1385/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

घरेलु गैस के उपभोग पर 19400 का वसूला जुर्माना

नई टिहरी : चारधाम तैयारियों को लेकर बुधवार को मुख्य सड़क मार्गों पर सेफ्टी के साथ ही साफ-सफाई के कार्य जारी रहे। जबकि पूर्ति निरीक्षक लम्बगांव के नेतृत्व में होटल, ढाबों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर घरेलु गैस सिलेंडरों के प्रयोग पर 19 हजार 400 रूपये का जुर्माना वसूला। बुधवार को पूर्ति निरीक्षक लम्बगांव नरेश चौहान के नेतृत्व में लम्बगांव व प्रतापनगर क्षेत्रान्तर्गत होटल, ढाबों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरूपयोग को रोकने को निरीक्षण करते हुए 13 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अवैध घरेलू सिलेण्डरों का प्रयोग किये जाने पर कुल 19 हजार 400 रूपये के जुर्माने की धनराशि वसूली गई। जिनमें 12 प्रतिष्ठानों से 15-15 सौ रूपये का जुर्माना तथा एक प्रतिष्ठान से 14 सौ का जुर्माना वसूल किया गया। (एजेंसी)

चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं के स्वागत, सत्कार, सुरक्षा को राज्य तैयारः महाराज

देहरादून। चार धाम यात्रा को लेकर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सभी तैयारियां पूरी होने का दावा किया। बुधवार को यात्रा तैयारियों पर एक बयान जारी करते हुए कहा कि चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं के स्वागत, सत्कारा, सुरक्षा को राज्य पूरी तरह तैयार है। सड़कों को दुरुस्त करने का काम लगभग पूरा हो गया है। अब वैकल्पिक मार्ग भी तैयार किए जाएंगे। दर्शन को टोकन व्यवस्था लागू होने से अब श्रद्धालुओं को एक घंटे से अधिक का इंतजार नहीं करना होगा। पर्यटन मंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा को राज्य स्तरीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कन्ट्रोल रूम हर दिन सुबह सात बजे से रात दस बजे तक संचालित होगा। पर्यटकों और यात्रियों को दर्शन को घंटों इंतजार न करना पड़े, इसके लिए दर्शन को टोकन, स्लॉट की व्यवस्था की गई है।

योजनाओं में अनियमितता का लगाया आरोप

चमोली : थराली और देवाल क्षेत्र में जल निगम द्वारा बनाई गई योजनाओं में अनियमितता का आरोप लगाते हुए बुधवार को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से जांच की मांग की है।

उपजिलाधिकारी थराली के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा गया है। ज्ञापन में गोपाल बनवासी सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि ग्वालदम, बैनोली, रुईसांण, तुंगेश्वर, हाट कल्याणी, तलौर, हरनी, देवाल बलाण सहित विभिन्न पेयजल योजनाओं के निर्माण में अनियमितता बरती गई है। उपजिलाधिकारी थराली अबरार अहमद ने कहा कि ग्रामीणों का ज्ञापन जिलाधिकारी को भेज दिया जाएगा। (एजेंसी)

डिलीवरी फर्म को दो लोगों ने लगाया डेढ़ लाख का चूना

देहरादून। डिलीवरी फर्म को दो लोगों ने डेढ़ लाख रुपए का चूना लगा दिया। धोखाधड़ी को लेकर अशोक ने नेहरू कॉलोनी थाने में तहरीर दी। कहा कि वह तेज सप्लाई नाम से हरिद्वार बाईपास रोड पर फर्म चलाते हैं। जहां अमेजन की डिलीवरी का काम होता है। आरोप है कि सुमन कुमार सादू निवासी महरोली दिल्ली और भूपेंद्र शर्मा निवासी अनाज मंडी, हरिनगर, सहारनपुर संपर्क में आए। दोनों ने 25 हजार रुपए नगदी और सवा लाख रुपए का सामान लिया। इसके बाद दोनों अपने नंबर बंद कर लापता हैं। एसओ नेहरू कॉलोनी मोहन सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

वनों की सुरक्षा का दायित्व सभी लोगों का

नई टिहरी : लगातार हो रही वनाग्नि की घटनाओं को देखते हुए द हंस फाउंडेशन ने बुधवार को थत्यूड बाजार में जन जागरूकता रैली निकाली। जिसमें राजकीय कन्या इंटर कॉलेज थत्यूड़ की छात्राओं ने शामिल होकर लोगों को वनाग्नि से होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी।

वक्ताओं ने कहा कि वनों की सुरक्षा का दायित्व केवल वन विभाग पर ही नहीं बल्कि आम जन पर भी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए वनों को आग से बचाया जाए। जीजीआईसी की प्रधानाचार्य आरती चिटकारिया, वन क्षेत्राधिकारी देवलसारी रेंज लतिका उनियाल ने कहा कि इन दिनों चारों को वनों में आग लगी हुई है। जिस कारण पूरे उत्तराखंड में धुंध छाई हुई है। कहा कि वनाग्नि से जहां पर्यावरण दूषित हो रहा है। वहीं जल स्त्रोतों पर भी संकट आता है। साथ ही वन्य जीव जंतुओं को भी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि वनों को आग से बचाएं। यदि आग लगी है तो वन विभाग और हंस फाउंडेशन के फायर फाइटरों के साथ मिलकर बुझाने का प्रयास करें। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

(मुरादाबाद मण्डल)

निविदा सूचना

क्र सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	01/वरिष्ठ मं.वि.अभि. /सा./मुरा./2024/I :- मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद–हरदोई सेक्शन में नयी स्केल ऑफ फिटिंग्स के अनुसार वायरिंग तथा अन्य सम्बधित विद्युत कार्य के लिए।	7017767.09 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	140400.00	6 (छः) माह	निविदाये दिनांक 31.05.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय /उत्तर रेलवे मुरादाबाद
2	01/वरिष्ठ मं.वि.अभि. /सा./मुरा./2024/II :- मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद–देहरादून (मुरादाबाद–सहित) सेक्शन में नयी स्केल ऑफ फिटिंग्स के अनुसार वायरिंग तथा अन्य सम्बधित विद्युत कार्य के लिए।	6091807.46 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	121800.00	6 (छः) माह	निविदाये दिनांक 31.05.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय /उत्तर रेलवे मुरादाबाद
3	01/वरिष्ठ मं.वि.अभि. /सा./मुरा./2024/III :- मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद–हापुड़ सेक्शन में नयी स्केल ऑफ फिटिंग्स के अनुसार वायरिंग तथा अन्य सम्बधित विद्युत कार्य के लिए।	5353302.69 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	107100.00	6 (छः) माह	निविदाये दिनांक 31.05.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय /उत्तर रेलवे मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : 17/2024 दिनांक : 08.05.2024 1396/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

पेट्रोल पंप हुआ शिफ्ट

चमोली : जिला प्रशासन की पहल पर बुधवार को कुंड तिराहे पर स्थित पेट्रोल पंप को पोखरी बैंड पर शिफ्ट कर दिया गया है। इससे तीर्थयात्रियों को इस वर्ष यात्राकाल में गोपेश्वर पेट्रोल पंप तिराहे पर जाम का सामना नहीं करना होगा। साथ ही कलेक्ट्रेट और जिला अधिकारी कार्यालय सहित प्रशासन से जुड़े कार्यालयों तक भी वाहनों और पैदल चलने वालों को सहूलियत मिल सकेगी। (एजेंसी)

कांग्रेस ने संगठन की मजबूती पर दिया जोर

चमोली : जिला कांग्रेस की दशोली ब्लॉक कमेटी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को हरमनी के मजोठी सहित अन्य गांवों में पहुंच कर ग्रामीणों के साथ जन संवाद किया। मीडिया को बताया कि संगठन नेताओं ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया और कांग्रेस की नीति रीति ग्रामीणों को बताई। संवाद करने वालों में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द सिंह पंवार, दशोली ब्लाक अध्यक्ष गोविंद सिंह सजवांण, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला, पूर्व प्रमुख प्रकाश रावत आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

लायंस क्लब की रचपाल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

देहरादून। मसूरी में लायंस क्लब के बुधवार को माल रोड स्थित होटल में चुनाव हुए। इसमें रचपाल बच्चाजीवी को लायंस क्लब का निर्विरोध मंडल अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जीएस भाटिया को उपाध्यक्ष चुने गए। इसमें चार राज्यों के चार सौ से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लायंस क्लब की ओर से आयोजित 44वें मंडल सम्मेलन त्रिश्न 2024 में पंजाब, जम्मू कश्मीर, लेह लददाख, हिमाचल प्रदेश के चार सौ से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के बाद चुनाव प्रक्रिया हुई। इसमें मंडल अध्यक्ष पद निर्विरोध चुनाव हुए। लायंस क्लब के पूर्व मंडलाध्यक्ष गौरव गर्ग ने बताया कि मसूरी के लिए सौभाग्य की बात है कि लायंस क्लब की सभी कार्यक्रम यहां आयोजित किया जा रहे हैं। इससे यहां के व्यापार को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब लगातार समाज सेवा के कार्य में अग्रसर है। लायंस के निवर्तमान गवर्नर एसपी सोंधी ने कहा कि लायंस क्लब में 14 लाख सदस्य 210 देशों में हैं जहां पर संस्था सेवा कार्य कर रही है। लायंस क्लब आपदा के समय भी बढ़–चढ़कर लोगों की मदद करता है। इस मौके पर लायन नरेश अग्रवाल, रेशमो सोंधी, विजय मित्तल, जितेंद्र सिंह चौहान ने भी विचार रखे।

नेत्र रोग परीक्षण शिविर में 120 का परीक्षण किया

देहरादून। मसूरी उप जिला अस्पताल में बुधवार को महंत इंद्रेश अस्पताल एवं नेशनल इंटीग्रेटेड फॉर्म आफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट ने निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर लगाया। इसमें 120 लोगों की आंखों की जांच की गई। इनमें 16 लोगों के मोतिया बिंदा का ऑपरेशन मंहत इंद्रेश अस्पताल में निःशुल्क करेगा। मंहत इंद्रेश अस्पताल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आर्चिसा भदोरिया ने नेत्र रोगियों का परीक्षण किया। ऑप्टोमेट्रिस्ट दीपक ग्रोवर ने सभी रोगियों के विजन का परीक्षण किया। वहीं, लोगों को मौसम संबंधी बीमारियों के बारे में भी जागरूक किया। आयोजनक दिलीप कुमार शर्मा ने बताया गया कि श्रीमंहत इंद्रेश अस्पताल हर माह 500 से अधिक मोतियाबिंद के ऑपरेशन कर रहा है। मसूरी से ऑपरेशन के लिए मरीजों को देहरादून ले जाने और वापस मसूरी छोड़ने की व्यवस्था भी इंद्रेश अस्पताल की ओर से किया जाएगा। इस मौके पर निफा संस्था के वरिष्ठ समाजसेवी देवेंद्र उनियाल एवं प्रदेश अध्यक्ष सुशील बांगड़ सुमित प्रजापति मौजूद रहे।

टैंकर से की पानी की आपूर्ति

नई टिहरी : बुधवार को भी नई टिहरी नगर के आधा दर्जन ब्लाकों में पानी न आने के चलते यहां पर पानी के टैंकरों से आपूर्ति की गई है। जल संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि प्रॉपर पंपिंग न होने के चलते यह दिक्कत आ रही है। व्यवस्था बनाने के लिए नगर को आठ जोनों में बांटने का काम किया गया है। नई टिहरी नगर के एल, जी, एच, जे, के और एम ब्लाक में प्रोपर पंपिंग न होने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित रही।

ट्रांसपोर्टनगर में रोडवेज कर्मचारियों ने किया रक्तदान

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन निगम की ओर से बुधवार को ट्रांसपोर्टनगर स्थित वर्कशॉप में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आईएमए ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित कैंप में रोडवेज कर्मचारियों ने रक्तदान किया। इस मौके पर कर्मचारियों को रक्तदान का महत्व भी समझाया गया।

केदारनाथ यात्रा के प्रति संवेदनशीलता के साथ करें कार्य : धामी

श्रद्धालुओं के साथ हो अतिथि देवो भव का व्यवहार ,मुख्यमंत्री ने रुद्रप्रयाग में जिला स्तरीय अधिकारी एवं नोडल अधिकारियों के साथ की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को रुद्रप्रयाग में चारधाम एवं श्री केदारनाथ धाम यात्रा की जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ जी के प्रति देश-विदेश के लोगों की श्रद्धा जुड़ी है और हर वर्ष बाबा के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, आने वाले समय में यात्रा और बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में जरूरी है कि भविष्य में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए रणनीति के साथ कार्ययोजना बनाई जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा मार्ग पर सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत क्रैश बैरियर के साथ ही पेड़ लगाये जाने की पहल शुरू की जाए। इससे सड़क हादसों में कमी लायी जा सकेगी। जनपद में यह प्रयोग सफल होने पर पूरे राज्य में इसे लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद रुद्रप्रयाग बाबा केदारनाथ जी का निवास स्थान है ऐसे में जनपद प्रशासन की कोशिश होनी चाहिए

कि यहां इस प्रकार की पहल शुरू हो और पूरा राज्य उसे अपनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड विविधताओं से भरा राज्य है ऐसे में जनपद के भूगोल एवं अन्य संसाधनो को ध्यान में रखते हुए ही विकास की रणनीति बननी चाहिए। विकास के साथ-साथ विरासत का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। उन्होंने वृक्षारोपण के अलावा जल संचय के लिए भी विशेष प्रयास करने के निर्देश जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने प्रशासन एवं पुलिस को निर्देश दिए कि किसी भी हाल में श्रद्धालुओं को असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। ड्यूटी में तैनात कर्मचारी एवं सुरक्षा बल खुद वीआईपी दर्शन की होड़ में न रहें यह भी सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा सड़क, स्वच्छता, शौचालय, बिजली-पानी की आपूर्ति, स्वास्थ्य सहित रहने व खाने की उचित व्यवस्था हो और इसे लगातार सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस प्रशासन को हेली सेवाओं के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखने के लिए मजबूत सिस्टम तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं यात्रा ड्यूटी में लगे सभी कर्मचारियों को श्रद्धालुओं के साथ सौम्यता के साथ पेश आने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पेयजल आपूर्ति को लेकर भी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने एवं आगामी मानसून सत्र के लिए अभी से तैयारियां करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ गहरवार एवं पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने केदारनाथ यात्रा को लेकर जिला स्तर से की गई तैयारियों एवं नए प्रयासों की रिपोर्ट पेश की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा यात्रा को लेकर की गई तैयारियों की सराहना भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग अमरदेई शाह, विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी, दर्जा धारी मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुमंत तिवारी, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे, आईजी गढ़वाल करण सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष, ऊखीमठ अनिल शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्र, पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

कर्मचारियों के लिए गर्म जैकेट लांच किया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला प्रशासन की ओर से यात्रा रूट पर तैनात सफाई कर्मचारियों, पीआरडी जवानों, स्वयं सेवकों, पुजारियों एवं अन्य कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए गर्म जैकेट एवं यूनीफॉर्म भी लांच की। इसके साथ ही यात्रा रूट के लिए तैयार गाइडलाइन एवं हेल्प बुक की भी लांचिंग की। इस दौरान जिला प्रशासन की ओर से सभी कर्मचारियों के लिए करवाए जा रहे सामूहिक बीमा योजना भी मुख्यमंत्री ने लांच करते हुए पहला बीमा पत्र भी जारी किया।

यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण

यात्रा संबंधी तैयारियां की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग से गुप्तकाशी तक सड़क मार्ग का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग पर महिला समूहों के सशक्तिकरण के लिए दुग्ध विभाग की ओर से गिवाणी गांव में नव निर्मित आँचल कैफे का भी उद्घाटन किया। साथ ही विभिन्न स्थानों पर बनाई गई पार्किंग एवं पार्क का भी अवलोकन किया।

सीएम ने पिरूल एकत्रित कर की पिरुल लाओ धन पाओ की शुरुआत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग वन प्रभाग के अन्तर्गत वनाग्नि सुरक्षा कार्यों का जायजा लिया तथा रतूडा के निकट चीड वन क्षेत्र में वनाग्नि रोकथाम में लगे वनकर्मियो एवं फायर वाचरो से मिले। मुख्यमत्री ने फायर टीम के साथ फायर रेक द्वारा पिरूल हटाया। उन्होंने ब्लोअर को पिरूल हटाने व फायर लाइन सफायी में कारगर बताया। प्रभागीय वनाधिकारी रुद्रप्रयाग ने बताया कि वनाग्नि मुक्त चारधाम यात्रा हेतु प्रभाग के अन्तर्गत पांच वनाग्नि नियंत्रण सेक्टर बनाये गये है जो त्वरित एवं कुशल ढंग से आग को नियंत्रित करेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा चीड पिरूल का एकत्रीकरण कर ब्रेकैट बनाने को प्रोत्साहन देने पर बल दिया एवं स्थानीय रोजगार को जोड़ने की पहल 'पिरुल लाओ धन पाओ' की शुरुआत स्वयं पिरुल एकत्रीकरण कर की। साथ ही मुख्यमंत्री ने फायर लाइन प्रबंधन हेतु सामुदायिक भागीदारी एवं मिशन मोड पर कार्य किए जाने पर बल दिया।

वैदिक ब्राह्मण सभा परशुराम जन्मोत्सव पर निकालेगी शोभायात्रा

देहरादून। वैदिक ब्राह्मण सभा भगवान परशुराम जन्मोत्सव का स्वर्ण जयंती समारोह 10 से 12 मई तक मनाएगी। प्रेस क्लब में हुई प्रेसवार्ता में सभा के अध्यक्ष आचार्य पवन शर्मा ने बताया कि तीन चरणों में होने वाले इस वर्ष के जन्मोत्सव को स्वर्ण जयंती के रुप में धूमधाम से मनाया जाएगा। 11 मई को खुड़बुड़ा, गोविंदगढ़, पलटन बाजार में शोभायात्रा निकाली जाएगी। महोत्सव के पहले चरण में दस मई को सभी कार्यक्रम भगवान परशुराम मंदिर प्रकाशनगर में होंगे। परशुराम चतुर्वेद विद्यालय के आचार्य व छात्र भगवान परशुराम की मूर्ति का पंचस्नान, अभिषेक पूजन, हवन पाठ करेंगे। नवनिर्मित परशुराम द्वार का उद्घघाटन कैंट विधायक सविता कपूर करेंगी। दूसरे चरण में 11 मई को शाम चार बजे प्रकाशनगर में नवनिर्मित परशुराम द्वार से नगर शोभायात्रा गोविंदगढ़, चकराता रोड, बिंदाल पुल, तिलक रोड, खुड़बुड़ा, हनुमान चौक, पीपल मंडी, धामावाला, पलटन बाजार, घंटाघर से परशुराम मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में बैंड बाजा, सचल वेदपाठ, झांकी,ब्राह्मण महासंघ के जुड़ी सभाओं के प्रतिनिधि आदि हिस्सा लेंगे। कैंट विधायक सविता कपूर, निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। तीसरे चरण में 12 मई को ईसी रोड सर्वे चौक स्थित आईआरटीडी सभागार में परशुराम संदेश पत्रिका के वार्षिक अंक अवतार विशेषांक का विमोचन होगा।

सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ के साथ तेज हुई यज्ञ की तैयारी

देहरादून। श्री ईष्ट देव सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में दिव्य श्रीमद्देवी भागवत कथा का आयोजन 13 से 21 मई तक स्वामी विवेकानंद पार्क नेहरू कॉलोनी जी ब्लॉक में किया जा रहा है। जिसमें कथा की अमृत वर्षा आचार्य सुरेंद्र प्रसाद सुन्दरियाल करेंगे। जो मां धारी देवी एवं भगवान श्री नाग राजा देव डोली शोभायात्रा के माध्यम से धर्म प्रचार में जुटे हुए हैं। उन्होंने सभी भक्तजनों से यज्ञ में शामिल होने का आह्वान किया है। कलश यात्रा का आयोजन रविवार 12 मई को प्रातः 9 बजे से किया जाएगा। यज्ञ से पूर्व संत समाज व आम नागरिकों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ के साथ श्री हनुमान जी का ध्वजा पूजन गया। आचार्य राजदीप भट्ट ने मंत्र उच्चारण के साथ श्री हनुमान जी की ध्वजा स्थापित की। नेहरू कॉलोनी कीर्तन मंडली ने भजन कीर्तन किए। जिसमें देवेश्वरी नयाल, अर्चना ठाकुर, सुषमा जोशी, पूजा भट्ट, सुनीता लासियाल, नीलम डबराल, सती राणा, रमा तोमर, यशोदा शर्मा सोना भंडारी, विवेक कोठारी, प्रदीप जोशी, मधुसूदन जुयाल उपस्थित रहे।

मुख्य रावल ने की मां गंगा व भगवान रघुनाथ की पूजा

नई टिहरी : बदरीनाथ धाम के मुख्य रावल ईश्वरप्रसाद नम्बूदरी बुधवार को देवप्रयाग में संगम पर गंगा और भगवान श्रीरघुनाथ का पूजन कर सभी के लिए मंगलमय यात्रा की प्रार्थना की।

मुख्य रावल ईश्वरप्रसाद नम्बूदरी बुधवार को केरल से बदरीनाथ धाम जाते हुए देवप्रयाग तीर्थ पहुंचे। 47 वर्षों बाद टिहरी राजदरबार की ओर से मुख्य रावल के रूप में उनका पट्टाभिषेक किये जाने पर बदरीनाथ तीर्थ पुरोहित समाज ने यहां उनका स्वागत किया।

आगामी 12 मई को मुख्य रावल छह माह के बाद शुभ मुहूर्त में भगवान बदरीनाथ के कपाट खोलेंगे। परम्परानुसार मुख्य रावल ने इस बार भी भगवान बदरीनाथ के तीर्थपुरोहितों के स्थायी

निवास देवप्रयाग तीर्थ में भागीरथी अलकनंदा संगम पर गंगा की पूजा अर्चना की और भगवान नारायण के अवतार श्री रघुनाथ का दर्शन पूजन किया। उन्होंने सभी की मंगलमय यात्रा की प्रार्थना की। (एजेंसी)

आपदा संभावित क्षेत्रों में जीपीएस लगी जेसीबी तैनात रखें : डीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार द्वारा वर्चुवल माध्यम से बैठक करते हुए चारधामयात्रा एवं आपदा के दृष्टिगत समीक्षा बैठक लेते हुए संबंधित अधिकारियों/जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी सोनिका ने एनआईसी सभागार में उपस्थित अधिकारियों को आपदा के दृष्टिगत समुचित तैयारियां पूर्व मे ही करने के निर्देश दिए।

उन्होंनें सिचांई एवं नगर निगम के अधिकारियों को नदी, नालों, नलियों की सफाई एवं नदियों का चैनलाइजेशन कार्य प्री मानसून से पूर्व कराने के निर्देश दिए। तथा आपदा कंट्रोल रूम से नदी, नालों, नालियों के सफाई कार्यों की प्रतिदिन मानिटरिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लो.नि.वि. , एनएच, एनएचआई के अधिकारियों को सड़क ठीक करने तथा पेयजल निगम एचं जल संस्थान के अधिकारियों को योजनाओं के निर्माण के

दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में पुराने पुलों का सुरक्षा ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया की आपदा के दौरान आपदा संभावित क्षेत्रों में जी.पी.एस. युक्त जे.सी.बी. तैनात रखे जाए तथा बाढ़ चौकियों को सक्रिय रखा जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को आपातकालीन स्थित हेतु वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल एवं जलसंस्थान के अधिकारियों को पेयजल योजनाओं के क्षतिग्रस्त होने की दशा में पेयजल आपूर्ति हेतु प्रबंध, जिलापूर्ति अधिकारी को पर्वतीय क्षेत्रों में खाद्यान का स्टॉक मानसून पूर्व ही व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को चिकित्सालयों में उपकरण दवाई आदि व्यवस्थाए पूर्व में ही करने के निर्देश दिए,जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को वनाग्नि के दृष्टिगत सक्रिय रहने के निर्देश दिए तथा जंगल में आग की सूचनाओं पर त्वरित प्रक्रिया देते हुए वनाग्नि को फैलने से रोकने हेतु प्रभावी कदम उठाए जाए। उन्होंने जिला आपदा अधिकारी देहरादून को आपदा कंट्रोल रूम पर प्राप्त हो रही शिकायतों को तत्काल संबंधित विभाग से समन्वय करते हुए कार्यवाही हेतु प्रेषित करने के निर्देश दिए,बैठक में मुख्यविकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून नीरज कुमार शर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम जी शरण शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संजय जैन,अधि0अभि0 लोनिवि जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी, अधि0अभि0 विद्युत विभाग राकेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे ।

वनाग्नि प्रबंधन के लिए वापस मिलें स्थानीय लोगों के हक

देहरादून। प्रदेश में लगातार धधक रहे जंगलों को केवल स्थानीय लोगों के उनके हक हकूक वापस देकर ही बचाया जा सकता है। वर्ना पूरे प्रदेश का सरकारी अमला और संसाधन भी कम जंगलों की आग नहीं बुझा सकते। ये कहना है जाने माने पर्यावरणविद और राज्य आंदोलनकारी ओमप्रकाश डंगवाल का। डंगवाल मंगलवार को सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से मिले और उन्हें एक मांगपत्र भी दिया। डंगवाल के अनुसार राज्य में 1995 से पहले आग की कम घटनाएं थी। लेकिन उसके बाद लगातार जंगल जलने लगे। इसके पीछे अंधाधुंध कटान और हक हकूक पर रोक मुख्य वजह रही। जो कि आज तक जारी है। ऐसे में लगातार जंगल जलते जा रहे हैं। डंगवाल के अनुसार 1995 में यूपी के वक्त ये तय हुआ था कि जंगलों की आग से निपटने के लिए स्पेशल टॉस्क फोर्स यानी एसटीएफ का गठन किया जाए। जो कि केवल जंगलों की आग से निपटने का काम करे। लेकिन राज्य बनने के बाद से अब तक इसका गठन नहीं हुआ। ये फोर्स विशेष तौर से आग बुझाने के लिए ट्रेनिंग और उपकरणों से लैस की जानी थी। सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि हक हकूक वापस मिलने के बाद लोग जंगलों को अपना समझेंगे। जो कि अभी नहीं है। इसी वजह से वे जंगलों को बचाने में दिल से सहयोग नहीं करते। ओमप्रकाश डंगवाल लंबे समय तक पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा और इंद्रमणि बडोनी के साथ पर्यावरण व अन्य मुद्दों के लिए आंदोलन कर चुके हैं।

चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए गंभीरता से करें कार्य : डीएम

जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के सभागार में चारधाम यात्रा की बैठक ली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बेस चिकित्सालय श्रीकोट के सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में नगर निगम, पेयजल, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने उपजिलाधिकारी श्रीनगर, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस सहित अन्य अधिकारियों को कहा कि चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करें। कहा कि चारधाम यात्रा के सफल संचालन के लिए श्रीनगर में कंट्रोल रुम स्थापित करें। साथ ही कहा कि पार्किंग स्थलों के पास मोबाईल टॉयलेट की व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा की बैठक लेते हुए सभी अधिकारियों को यात्रा से जुड़ी उनकी जिम्मेदारियों के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण करें। कहा कि जनपद क्षेत्रांतर्गत यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर पेयजल, सीसीटीवी, शौचालय, साइन बोर्ड, स्ट्रीट

लाइट, पार्किंग व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। उन्होंने लैण्डस्लाईड को देखते हुए लोनिवि के अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर बड़े आकार का चेतावनी साईन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये हैं। ताकि ट्रेफिक को समय रहते वैकल्पिक मार्ग पर डाइवर्ट किया जा सके। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि यात्रा मार्ग से गुरजने वाले प्रत्येक वाहन चालक का एल्कोहॉलिक टेस्ट व वाहन संचालन की समयावधि पर विशेष बल दिये जाने को कहा। जिलाधिकारी ने बेस चिकित्सालय श्रीकोट के सीएमएस को निर्देश दिये कि वे एक्सीडेंटल केस व कार्डियक मरीजों के उपचार की समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को यात्रा मार्ग के होटलों, ढाबों, मिष्ठान दुकानों आदि का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि बाहरी लोगों के सत्यापन करना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने कहा कि शहर में घूम रहे आवारा पशुओं को गौशाला में रखें, जिससे शहर में लग रहे जाम से निजात मिल सकेगा। बैठक में प्राचार्य मेडिकल कॉलेज चंद्र मोहन सिंह, उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, अधिशासी अभियंता जल संस्थान एस.के. रॉय, जल निगम दीक्षा नौटियाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अस्पताल में स्वास्थ्य उपकरणों को चालू अवस्था में रखें

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बेस अस्पताल श्रीकोट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने सीएमएस को अस्पताल की सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन सिलेंडरों को चालू अवस्था में रखना सुनिश्चित करें। कहा की किसी भी तरह की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने श्रीकोट व श्रीनगर मार्ग पर स्थापित विभिन्न पेयजल टैंकों, साफ-सफाई व्यवस्था सहित अन्य का जायजा लिया। उन्होंने यात्रा मार्ग पर पेयजल टैंकों को चेक करते उसी पानी का सैंपल लिया। उन्होंने जल संस्थान व जल निगम के अधिकारियों को नियमित रूप से पेयजल टैंकों की सफाई करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने शहर में कूड़ेदान लगाने व साफ-सफाई करने के निर्देश नगर निगम को दिये।

जापान में केयर गिवर जॉब रोल के लिए चयनित युवाओं ने की मुख्यमंत्री से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को सचिवालय में जापान में केयर गिवर जॉब रोल के लिए चयनित युवाओं ने भेंट की। कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अंतर्गत विदेश रोजगार प्रकोष्ठ, सहसपुर से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद 23 युवाओं को जापान में नौकरी के लिए भेजा जा रहा है। इनमें से 02 युवाओं ने जापान में कार्य करना आरंभ कर दिया है। 17 युवाओं की जापान में कार्य करने के लिए की जा रही प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, शीघ्र वे भी जापान जाकर अपनी सेवायें देंगे। ये युवा योग, नर्सिंग और जनरल ड्यूटी असिस्टेंट और होम हेल्थ एड जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित हैं। इन सभी को जापानी भाषा का प्रशिक्षण भी दिया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल

भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव सेवायोजन एवं कौशल विकास विजय यादव, अपर सचिव सी. रविशंकर, उपनिदेशक सेवायोजन श्रीमती चन्द्रकान्ता, प्रभारी अधिकारी विदेश रोजगार प्रकोष्ठ प्रवीण गोस्वामी निखिल जैन एवं अजय खंडूड़ी उपस्थित थे।

पशु जन्म नियंत्रण के लिए किया जागरूक

देहरादून। पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने राजपुर रोड स्थित एक होटल में बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पशु जन्म नियंत्रण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर पशु जन्म नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए लीफलेट भी बांटा गया।

साथ ही कुत्तों की नसबंदी करवाने की अपील की गई। पेटा इंडिया के कैंपेनस कोऑर्डिनटोर उत्कर्ष गर्ग ने कहा कि हर साल लाखों कुत्ते और बिल्लियां सड़कों पर पीड़ित होते हैं या पशु आश्रयों में मर जाते हैं, क्योंकि उन्हें एक प्यारभरा घर नहीं मिल पाता है। पेटा इंडिया सभी से कुत्तों और बिल्लियों की नसबंदी कराने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है।

राज्यपाल ने किया सगंध पौधा केंद्र (सेंटर फॉर एरोमैटिक प्लांट्स, कैप) सेलाकुई, देहरादून का भ्रमण

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को सगंध पौधा केंद्र (सेंटर फॉर एरोमैटिक प्लांट्स, कैप) सेलाकुई, देहरादून का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने सगंध पादप केंद्र में स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्षेत्र में स्थापित बीज विकास एवं अंकुरण कक्ष, विभिन्न हाई टेक ग्रीन हाउस और केंद्र में स्थित विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं बगीचों का अवलोकन किया एवं केंद्र द्वारा विकसित किए जा रहे तेजपात व दालचीनी के पौधों के विषय में जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने केंद्र के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ह्यअगरवुडह्ल के पौधे का रोपण भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में सगंध पादप कृषि के लिए प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं, साथ ही इन फसलों को जंगली जानवर भी नुकसान नहीं पहुँचाते हैं, ऐसे में उत्तराखण्ड में सगंध पादप खेती को अधिक प्रचारित और प्रसारित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सगंध पादप खेती से यहाँ के किसानों की आय बढ़ाने के साथ–साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। राज्यपाल ने कहा कि पूरे विश्व में सुगंध का एक विशेष स्थान है, और उत्तराखण्ड की जड़ी–बूटियों, फूलों और पादपों से बनने वाले पर्फ्यूम और इत्र की पूरे विश्व से मांग आएगी। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में उत्पादित होने वाली दालचीनी की गुणवत्ता अच्छी है, और जिस प्रकार कैप द्वारा मिशन दालचीनी के अंतर्गत कार्य किए जा रहे हैं वे सराहनीय हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com